मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

MHD-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022
एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) "छोटे ठाकुर, देखो तो इन ससुरों ने क्या उधम मचाया हुआ है ·····।"

"क्या भला ·····?" छोटे ठाकुर पूछते हैं।

"कहते हैं कि हम अब मैला न उठाएँगे। भला सासतरों की बात कोई टाल सकता है क्या ? सासतरों में तो यही सब लिखा है न।"

"लेकिन बुढ़ऊ ..... आजकल सासतरों की बात मानता कौन है ..... ?"

"कुढ़ते हुए छोटे ठाकुर कहते हैं।"

"तभी तो यह हाय-तोबा मची है। कोई छोटे-बड़े का भेद नहीं। पहले इन ससुरों की परछाई से भी दूर रहा जाता था। अलग खाना, पीना। अब तो छोटे ठाकुर, सुना है शहरों के होटलों में एक ही कप में सभी चाय पीवै हैं। कितना बड़ा अन्याय, सारा धरम ही चौपट हो गया।"

(ख) अगर द्रोणाचार्य ने भूख से तड़पते अश्वत्थामा को दूध की जगह आटे का घोल पिलाया था तो 'हमें चावल माँड।' फिर भी महाकाव्य में हमारा जिक्र क्यों नहीं आया ? किसी महाकवि ने हमारे जीवन पर एक भी शब्द क्यों नहीं लिखा ? मास्टर ने

उसकी इस धृष्टता का जवाब उसे मुर्गा बनाकर चीखते हुए दिया, "चूहड़े के, द्रोणाचार्य से अपनी बराबरी कर ले ..... तेरे ऊपर मैं महाकाव्य लिखूँगा।" और मास्टरजी ने उसकी पीठ पर सटाक-सटाक छड़ी से महाकाव्य रच दिया था जो आज भी 'भूख और असहाय जीवन के घृणित क्षणों में सामंती सोच का यह महाकाव्य मेरी पीठ पर नहीं पर, मेरे मस्तिष्क में रेशे-रेशे पर अंकित है।'

(ग) कि पेट और पूँछ में
एक गहरा संबंध है
कि पेट के लिए रोटी जरूरी है
और रोटी के लिए पूँछ हिलाना
उतना ही जरूरी है
इसीलिए जब किसी बात पर बेटे को
पूँछ तान गुर्राते देखता हूँ
क्योंकि गुर्राने का सीधा सपाट अर्थ
बगावत है।

(घ) घर-घर में सूनी आँखों से

एक-एक औरत

घर से बाहर गए

अपने-अपने आदमी के

लौटने का इतंजार करती है,

सच यही है

वे कतरा-कतरा होकर

जीती हैं

और कतरा-कतरा होकर

मरती हैं।

2. 'अपने-अपने पिंजरे' की वैचारिकी पर चर्चा कीजिए। 10

3. दलित आत्मकथनों में चित्रित स्त्री पात्रों की प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए। 10

4. 'वैतरणी' में निहित उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

5. " 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी दलितों के आर्थिक शोषण का प्रामाणिक दस्तावेज है।" इस कथन पर चर्चा कीजिए। 10

6. 'विद्रोहणी' कविता में चित्रित स्त्री-चेतना पर विचार कीजिए। 10

7. 'यही सच है' कविता की संवेदना पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए। 10